सरकार ने स्टार्टअप्स फंड जारी किया

एसआईडीबीआई करेगा योजना का संचालन

वैकल्पिक निवेश कोषों के जरिए होगा स्टार्टअप्स में निवेश

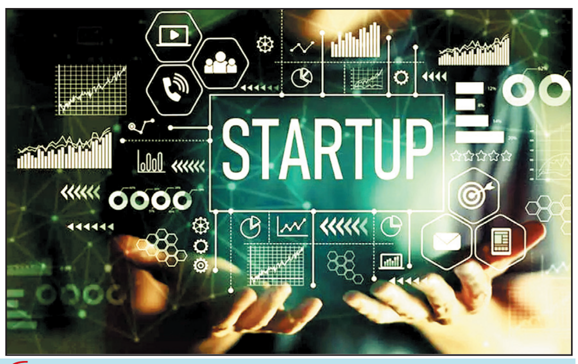

नई दिल्ली, 14 अप्रैल केंद्र सरकार ने देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने और नवाचार आधारित उद्यमों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 10,000 करोड़ रुपये के उद्यम पूंजी कोष की अधिसूचना जारी कर दी है. इस नई योजना को 'स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0' नाम दिया गया है, जो पहले से चल रही फंड ऑफ फंड्स व्यवस्था का उन्नत संस्करण है.

इस योजना का संचालन भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (एसआईडीबीआई) के माध्यम से किया जाएगा, जिसे अधिसूचना जारी होने की तारीख से कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है. इसके तहत सरकार सीधे स्टार्टअप्स में निवेश नहीं करेगी, बल्कि सेबी में पंजीकृत वैकल्पिक निवेश कोषों में पूंजी योगदान करेगी. ये एआईएफ आगे जाकर सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप इकाइयों में निवेश करेंगे.

सरकार की इस पहल का उद्देश्य देश में पूंजी की कमी को दूर करना और स्टार्टअप्स के लिए घरेलू स्तर पर निवेश का मजबूत ढांचा तैयार करना है. विशेष रूप से उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी जो भविष्य की अर्थव्यवस्था को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं. इनमें डीप टेक्नोलॉजी आधारित स्टार्टअप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर काम करने वाले उद्यम, तकनीक आधारित विनिर्माण इकाइयाँ और नवाचार-आधारित छोटे एवं मध्यम स्टार्टअप शामिल हैं.

> विशेषज्ञों के अनुसार यह 10,000 करोड़ रुपये का कोष भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो निजी निवेश को भी आकर्षित करेगा और दीर्घकालिक रूप से भारत को वैश्विक नवाचार केंद्र बनाने में मदद करेगा.

मार्च में महंगाई 3.40 प्रतिशत तक बढ़ी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल. मार्च 2026 में देश के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.40% पर पहुंच गई, जो फरवरी में 3.21% थी. इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतों में आई हल्की तेजी रहा. खासकर सब्जियों और जरूरी खाद्य पदार्थों की कीमतों ने महंगाई को ऊपर धकेला, हालांकि कुछ वस्तुओं जैसे प्याज, आलू और दालों में गिरावट भी देखने को मिली, जिससे कुल महंगाई को बहुत ज्यादा बढ़ने से रोका जा सका. ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई 3.63% रही, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 3.11% दर्ज की गई, जिससे साफ है कि गांवों में कीमतों का दबाव अधिक है. कुल महंगाई अभी भी भारतीय रिजर्व बैंक के 2% से 6% के लक्ष्य दायरे में बनी हुई है, जो राहत की बात है.

रिलायंस फाउंडेशन बनाएगा 10 लाख साइबर सखी

ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन सशक्तिकरण देने के लिए तीन साल में देशव्यापी अभियान

नई दिल्ली, 14 अप्रैल ग्रामीण भारत में डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए रिलायंस फाउंडेशन ने सी-डैक के सहयोग से अगले तीन वर्षों में देशभर में 10 लाख महिलाओं को 'साइबर सखी' के रूप में प्रशिक्षित करने की योजना शुरू की है.

इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत 'ई-सेफहर' नामक साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है. यह कार्यक्रम भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत सी-डैक के तकनीकी सहयोग से संचालित किया जाएगा. कार्यक्रम की शुरुआत मध्य प्रदेश और ओडिशा से की जा रही है, जहां तेजी से डिजिटल माध्यमों से जुड़ रही महिलाओं को ऑनलाइन सुरक्षा, सुरक्षित डिजिटल लेन-देन और इंटरनेट के जिम्मेदार उपयोग के बारे में प्रशिक्षित किया जाएगा.

> इस पहल पर रिलायंस फाउंडेशन की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा कि आज के समय में ग्रामीण महिलाएं पहले से कहीं अधिक तेजी से डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ रही हैं. ऐसे में जरूरी है कि उन्हें न सिर्फ इंटरनेट तक पहुंच मिले, बल्कि उसे सुरक्षित और प्रभावी ढंग से उपयोग करने का ज्ञान भी हो. उन्होंने कहा कि 'साइबर सखी' कार्यक्रम के जरिए महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ डिजिटल दुनिया का उपयोग करने और अपने जीवन एवं आजीविका को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी.

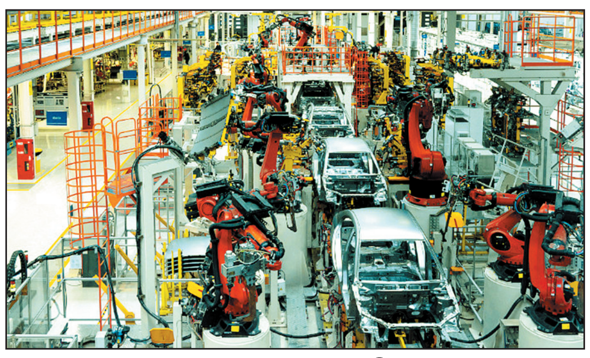

एशिया संकट के बीच वाहन उद्योग के लिए होगी अग्नि परीक्षा

नयी दिल्ली, 14 अप्रैल वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम का मानना है कि पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर अप्रैल में अग्नि परीक्षा होगी.

सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने मंगलवार को वाहनों की थोक बिक्री के आंकड़े जारी करने के बाद संवाददाताओं के सवालों के जवाब में कहा कि मार्च में उत्पादन प्रभावित नहीं हुआ है, लेकिन अप्रैल में कंपनियां दबाव महसूस कर रही हैं और इस महीने कंपनियों की 'अग्नि परीक्षा' होगी.

उन्होंने कहा, ' हम उम्मीद करते हैं कि युद्ध लंबा न चले यदि ऐसा होता है वाहनों की बिक्री में एकल अंक की वृद्धि के कुछ अनुमान सही साबित हो सकते हैं. उन्होंने कहा कि फिलहाल लोग जानकारी लेने के लिए शोरूम में आ रहे हैं, लेकिन खरीदारी का फैसला लेने में देरी कर रहे हैं. टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रमुख श्री चंद्रा ने कहा कि अप्रैल के पहले दो सप्ताह में पश्चिम एशिया संकट का दबाव पड़ना शुरू हो गया है और उत्पादन की लागत बढ़ी है. उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले एल्युमीनियम की आपूर्ति पहले पश्चिम एशिया से होती थी, अब कंपनियां उसका विकल्प खोज रही हैं.

उन्होंने कहा अप्रैल में यह साफ होगा कि आपूर्ति बढ़ने की रफ्तार और पहले से मौजूद कलपुर्जों और कच्चे माल के भंडार की खपत की रफ्तार में कितना संतुलन बन पाता है.

> श्री चंद्रा ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में सभी खंडों में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गयी है. सात साल बाद यह स्थिति बनी है जो वाहन निर्माता कंपनियों के लिए खुशखबरी है. उन्होंने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर की दरों में पिछले साल सितंबर में की गयी कटौती से ग्राहक धारणा मजबूत बनी हुई है. इसके साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पिछले साल रेपो दरों में की गयी कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती और सरकार द्वारा आयकर छूट की सीमा बढ़ाने से भी बिक्री बढ़ाने में मदद मिली है.

आईआईएम की नौकरी छोड़ शुरू किया स्टार्टअप

रांची, 14 अप्रैल रांची की संध्या और उनके पति मोहित की कहानी उन युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है, जो बड़ी नौकरी छोड़कर अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने का सपना देखते हैं. दोनों ने आईआईएम त्रिची से पढ़ाई करने के बाद लाखों रुपये के पैकेज वाली नौकरी छोड़ दी और अपने जुनून को आगे बढ़ाते हुए 'ओएनजी इंडिया' नाम से अपना स्टार्टअप शुरू किया.

शुरुआत महज 40,000 के निवेश से हुई थी, लेकिन आज उनका यह ब्रांड लगभग रुपए 15 लाख के सालाना टर्नओवर तक पहुंच चुका है. इस सफर में सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने आदिवासी संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक मुद्दों को अपने उत्पादों के जरिए लोगों तक पहुंचाने का अनोखा तरीका अपनाया.

उनका मुख्य उत्पाद टी-शर्ट है, जिसमें पेड़ों की कटाई, जंगलों की रक्षा, जल संरक्षण और आदिवासी जीवन से जुड़े मुद्दों को कलात्मक डिजाइन के रूप में दिखाया जाता है. इसके अलावा, वे साड़ियों पर भी इसी तरह की पेंटिंग बनाते हैं, जिसमें प्रकृति और संस्कृति का संदेश दिया जाता है.

संध्या के अनुसार, शुरुआती दौर में कई महीनों तक बिक्री बेहद कम रही, जिससे उन्हें यह भी लगा कि कहीं उन्होंने नौकरी छोड़कर गलत फैसला तो नहीं कर लिया. लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत करती रहीं.

पतंजलि अनुसंधान संस्थान दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर

डॉ. पी. डी. सेठी राष्ट्रीय एचपीटीएलसी पुरस्कार 2025 में मिला प्रथम स्थान

हरिद्वार, 14 अप्रैल वैज्ञानिक उत्कृष्टता और नवाचार की अपनी निरंतर यात्रा को आगे बढ़ाते हुए, पतंजलि अनुसंधान संस्थान ने एक बार फिर देश का गौरव बढ़ाया है. संस्थान को डॉ. पी. डी. सेठी राष्ट्रीय एचपीटीएलसी पुरस्कार 2025 में निजी उद्योग श्रेणी में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. पिछले वर्ष भी संस्थान को यही सम्मान प्राप्त हुआ था.

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार संस्थान को आंवला के बीज तेल पर किए गए उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए मिला, जिसमें इसके शक्तिशाली जीवाणुरोधी (एंटी-माइक्रोबियल) और जैव-परत-रोधी गुणों को उजागर किया गया है. इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि यह पुरस्कार मात्र एक सम्मान नहीं, बल्कि पतंजलि के वैज्ञानिकों की वर्षों की मेहनत, समर्पण और वैज्ञानिक सोच का परिणाम है.

उन्होंने आगे कहा कि यह हर उस वैज्ञानिक के समर्पण की जीत है, जो प्रतिदिन विश्व को एक सरल, सुरक्षित और प्रभावी समाधान प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्पित है. पतंजलि के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने बताया कि डॉ. पी. डी. सेठी राष्ट्रीय एचपीटीएलसी पुरस्कार देश में विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध को पहचान देने वाला एक प्रतिष्ठित मंच है. इस मंच पर लगातार दूसरी बार पुरस्कार प्राप्त करना संस्थान के लिए गर्व का विषय है और यह उसकी मजबूत वैज्ञानिक आधारशिला को दर्शाता है.

> उन्होंने आगे बताया कि आंवला पर किए गए इसी शोध के आधार पर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा भी संस्थान को पिछले वर्ष 10वें अंतरराष्ट्रीय 'अपशिष्ट से उपयोगिता' सम्मेलन एवं 4आर पुरस्कार 2025 संस्करण में 'मेरिट पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था. ज्ञात हो कि आंवला बीज के तेल पर किए गए इन शोधों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है. प्रतिष्ठित एल्सेवियर प्रकाशन ने पतंजलि के दोनों शोधों को एक साथ अपने शोध पत्रिका 'अनुप्रयुक्त खाद्य अनुसंधान' के अंक में भी स्थान दिया था.

सोना चमका, चांदी फिसली बाजार में हलचल

1470 रुपए उछला सोना

2775 लाख रुपए नीचे आई चांदी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल. सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी रहा. डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर जयंती के कारण सराफा बाजार बंद रहने से पिछले कारोबारी सत्र के भाव ही लागू रहे, जबकि अंतरराष्ट्रीय संकेतों के बीच कीमतों में हल्की तेजी भी देखने को मिली.

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोमवार को जून डिलीवरी वाला सोना 89 रुपये गिरकर 1,51,983 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ. वहीं मई डिलीवरी वाली चांदी में बड़ी गिरावट दर्ज की गई और यह 2,775 रुपये टूटकर 2,40,499 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई.

हालांकि, मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार के संकेतों के चलते सोने में सुधार देखा गया. 24 कैरेट सोना करीब 1,470 रुपये बढ़कर 1,53,930 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया, जबकि चांदी की कीमत लगभग स्थिर रहकर 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास बनी रही.

> आने वाले दिनों में वैश्विक घटनाक्रम के आधार पर सोना-चांदी की कीमतों में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, इसलिए निवेशकों को सतर्क रहकर बाजार पर नजर बनाए रखने की सलाह दी जा रही है.

एनएमडीसी में अंबेडकर जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 14 अप्रैल भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने हैदराबाद में अपने कॉर्पोरेट कार्यालय और साथ ही देशभर में अपनी सभी परियोजना स्थलों पर भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 135वीं जयंती मनाई.

समारोह का नेतृत्व एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अमिताभ मुखर्जी ने किया. उनके साथ श्री विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी); श्री जयदीप दासगुप्ता, निदेशक (उत्पादन); श्री अनुराग कपिल, निदेशक (वित्त) शामिल हुए तथा कर्मचारियों के साथ डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 135वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की.

एनएमडीसी एचओ एससी / एसटी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कर्मचारियों और अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. एनएमडीसी एचओ एससी / एसटी कर्मचारी कल्याण संघ के अध्यक्ष श्री बी. हनुमंत राव, तथा महासचिव श्रीमती सी. अन्नपूर्णा के साथ सभी पदाधिकारियों ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

समाचार विशेष

एक ही नाम के उम्मीदवार, दिग्गजों को टेंशन

बंगाल से तमिलनाडु तक 'नाम' की पहेली में उलझ गया चुनाव

कोलकाता/चेन्नई. लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव में जब मतदाता ईवीएम के सामने खड़ा होता है, तो उसे उम्मीद होती है कि उसका एक वोट सही उम्मीदवार की किस्मत तय करेगा. लेकिन कल्पना कीजिए कि जब आप अपने पसंदीदा नेता को वोट देने जाएं और बैलेट यूनिट पर आपको एक ही नाम के तीन अलग-अलग चेहरे और चुनाव चिन्ह नजर आएं, तो आपकी स्थिति क्या होगी?

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिल रहा है, जिसने न केवल चुनाव अधिकारियों को उलझन में डाल दिया है, बल्कि आम जनता के बीच भी भ्रम पैदा कर दिया है. उत्तर से लेकर दक्षिण तक, सियासी मैदान में 'नाम' की यह पेचीदा पहेली इस वक्त चर्चा का सबसे बड़ा केंद्र बनी हुई है. यह महज एक इत्तेफाक नहीं है, बल्कि राजनीति के उस शतरंज की चाल है जहां विपक्षी की जीत रोकने के लिए हमनाम उम्मीदवारों की 'क्लोन सेना' तैयार की जाती है.

पश्चिम बंगाल की आसनसोल उत्तर विधानसभा सीट पर मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच के दौरान एक बेहद अजीबोगरीब स्थिति पैदा हो गई. जैसे ही निर्वाचन अधिकारी ने उम्मीदवारों के नाम पुकारना शुरू किया, पूरा हॉल सन्नाटे में डूब गया. अधिकारियों ने पहले 'कृष्णेंदु मुखोपाध्याय' (निर्दलीय) का नाम पुकारा, फिर 'कृष्णेंदु चटर्जी' (निर्दलीय) और अंत में बारी आई भारतीय जनता पार्टी के आधिकारिक प्रत्याशी 'कृष्णेंदु मुखर्जी' की.

> **विजय के सामने खड़ी हुई 'क्लोन सेना**
>
> बंगाल जैसी ही स्थिति सुदूर दक्षिण में तमिलनाडु के चेन्नई में भी देखने को मिल रही है, जहां सुपरस्टार से राजनेता बने विजय और उनकी पार्टी 'तमिलगा वेत्री कझगम' को निशाना बनाया गया है. चेन्नई की पेरम्बूर सीट पर, जहां से विजय खुद चुनाव लड़ रहे हैं, वहां दो और 'विजय' मैदान में उतर आए हैं. सिर्फ पेरम्बूर ही नहीं, बल्कि रॉयापुरम में डी जयकुमार के सामने तीन हमनाम उम्मीदवार हैं और चेपॉक-त्रिप्लिकेन में उधयनिधि स्टालिन के खिलाफ खड़े टीवीके उम्मीदवार डी सेल्वम के भी तीन 'डुप्लीकेट' मौजूद हैं.

अधीर रंजन को अपने ही लोगों से लड़ना है

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के सबसे दिग्गज नेता अधीर रंजन चौधरी एक बार फिर मुश्किल लड़ाई में फंसे हैं. वे लगातार पांच बार जीतने के बाद पिछला लोकसभा चुनाव हार गए थे. ममता बनर्जी ने गुजरात के क्रिकेटर यूसुफ पठान को उनके खिलाफ उतारा और खुद मुर्शिदाबाद में बैठ कर उनको हरवाया.

अब अधीर बाबू 36 साल के बाद विधानसभा का चुनाव लड़ने उतरे हैं. एक समय उनका ऐसा जलवा रहा है कि मुर्शिदाबाद जिले में आने वाली तीन लोकसभा सीटों, बहरामपुर, जंगीपुर और मुर्शिदाबाद के नतीजे उनके हिसाब से तय होते थे. लेकिन अब अपनी विधानसभा सीट पर समस्या आ रही है. उनको अपने ही लोगों से मुकाबला है तो मुस्लिम नेता अलग घेरने में लगे हैं.

असदुद्दीन ओवैसी ने बंगाल में नई पार्टी बनाने वाले हुमायूं कबीर के साथ तालमेल किया है. दोनों ने पहली रैली के लिए बहरामपुर को चुना, जहां से अधीर रंजन लड़ रहे है. वे दोनों अपना उम्मीदवार उतार रहे हैं.

पेज 3 का शेष

कॉरिडोर से खुलेंगे विकास के द्वार

6 घंटे का सफर ढाई घंटे में होगा पूरा : दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर 213 किमी लंबा, 6 लेन और एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर 12,000 करोड़ रुपए की लागत से बना है. यह दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ता है और इसके शुरू होने से दिल्ली-देहरादून के बीच की दूरी 6 घंटे से घटकर करीब ढाई घंटे रह जाएगी.

सहारनपुर में बने वाइल्डलाइफ कॉरिडोर का किया निरीक्षण: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर का दौरा किया. इस दौरान केंद्रीय राजमार्ग और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक भी मौजूद थे. वाइल्डलाइफ कॉरिडोर के निर्माण की प्रक्रिया को दर्शाने वाली एक प्रदर्शनी लगाई गई थी. अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को इस परियोजना के बारे में जानकारी दी. इससे पहले, पीएम मोदी ने सहारनपुर में एक रोड शो किया. प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए सड़क के किनारे भारी भीड़ थी. रोड शो में शामिल लोगों ने हाथों में तिरंगा थामे हुए 'मोदी-मोदी', 'भारत माता की जय' और 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए पीएम मोदी पर फूलों की वर्षा की.

संविधान ही सभी समस्याओं का समाधान है

बाबा साहब का संविधान निर्माण में योगदान अतुलनीय है. देश को एक मजबूत आधार प्रदान करने वाला हमारा संविधान ही सभी समस्याओं का समाधान है. उन्होंने कहा कि बाबा साहब के विचार आज भी समाज को समानता, न्याय और अधिकारों के प्रति जागरूक करते हैं. उन्होंने कार्यक्रम में शिक्षाविद् तथा समाजसेवियों को भीम रत्न अवार्ड से सम्मानित भी किया. इस मौके पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, जिला पंचायत अध्यक्ष रीना सतीश मालवीय, विधायक उषा ठाकुर, आलोक कुमार, भंते धम्मदीप महाथेरो, श्रवण चावड़ा, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, डीआईजी मनोज सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा और पुलिस अधीक्षक ग्रामीण यांगचेन भूटिया मौजूद रहीं.

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम)
कोल इस्टेट, सिविल लाईन, नागपुर-440001, महाराष्ट्र, इंडिया. वेबसाईट - www.westerncoal.in

सूचना

कोल इंडिया लिमिटेड तथा उसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा वस्तुओं, कार्यों और सेवाओं की खरीद हेतु जारी की गई सभी निविदाएं कोल इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट **www.coalindia.in**, संबंधित सहायक कंपनी की वेबसाईट (वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड) **www.westerncoal.in**, CIL ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://coalindiatenders.nic.in** तथा सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://eprocure.gov.in** पर उपलब्ध है। वस्तुओं और सेवाओं की खरीद (यदि वे GeM पोर्टल पर उपलब्ध है) GeM पोर्टल **https://gem.gov.in** के माध्यम से की जाती है।

नाम परिवर्तन

मैं बाशिंग हेलॉट (BASHING HELOT) पिता श्री भीमजी निवासी- ग्राम म.नं. 135 सजेली नन्यासाथ तहसील- मेघनगर, जिला- झाबुआ मध्यप्रदेश पिन कोड 457779 ने अपना नाम बदलकर बदहींग हेलोत (BADHING HELOT) रख लिया है. अब मैं भविष्य में बदहींग हेलोत (BADHING HELOT) नाम से ही जाना जाऊंगा
R.N.- 61945

आवश्यकता है-
पं.हरिशंकर शुक्ल स्मृति महाविद्यालय
मेन रोड,कचना, रायपुर
एक अनुभवी
प्राचार्य पद हेतु
एक पद खाली है।
अनुभव कम से कम 5 वर्ष अनिवार्य।
इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करे-
9827145244
9827146626

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड — IDFC FIRST Bank
(पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है)
(CIN-L65110TN2014PLC097792)
रजिस्टर्ड ऑफिस : के आरएम टॉवर्स, 8वां तल, हेरिंगटन रोड, चेटपेट, चेन्नई-600031
फोन : +914445644000, फैक्स: +914445644022

सार्वजनिक सूचना
स्वर्ण नीलामी सह निमंत्रण सूचना

नीचे उल्लिखित उधारकताओं और आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त उधारकताओं ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (बैंक) से सोने के आभूषण गिरवी रखकर ऋण लिया था और बार-बार याद दिलाने और नोटिस भेजने के बावजूद, वे निर्धारित समय के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं। तदनुसार, बैंक अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए, बकाया राशि की वसूली के लिए **19/05/2026 से 21/05/2026** तक गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी आयोजित करेगा। उधारकताओं को सूचित किया जाता है कि निरीक्षण/बोली की तिथि से पहले लागू ब्याज, शुल्क और खर्चों सहित पूरी बकाया राशि का भुगतान करने का यह अंतिम अवसर है, अन्यथा नियामक द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों को नीलामी के माध्यम से बेच दिया जाएगा।

ऋण खाता संख्या	ऋण लेने वाले का नाम	शाखा का नाम
175517352	सना खान	आरएसी भोपाल ऋण केंद्र

नीलामी की स्थिति में यदि कोई अधिशेष राशि प्राप्त होती है, तो वह संबंधित उधारकर्ता को वापस कर दी जाएगी। नीलामी के बाद यदि कोई घाटा/कमी रह जाती है, तो शेष राशि उचित कानूनी कार्यवाही के माध्यम से उधारकर्ता से वसूल की जाएगी। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के किसी भी खाते को नीलामी से हटाने का अधिकार रखता है। इसके अलावा, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के, अपने विवेकानुसार नीलामी कार्यक्रम में संशोधन करने या उसे आगे की तिथि तक स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। नीलामी का आयोजन आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के सूचीबद्ध नीलामी सेवा प्रदाताओं, मेसर्स श्रीराम ऑटो मॉल इंडिया लिमिटेड द्वारा सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक भौतिक रूप से किया जाएगा। यदि ग्राहक की मृत्यु हो जाती है, तो नीलामी से संबंधित सभी शर्तें उनके नामित व्यक्ति/कानूनी उत्तराधिकारी पर लागू होंगी।

नीलामी की शर्तें एवं नियम :

1) संबंधित सोने के आभूषणों की बिक्री "जैसा है, जहाँ है", "जैसा है, जो है" और "जो भी उपलब्ध है" के आधार पर होगी।
2) इच्छुक बोलीदाताओं को बैंक के अधिकृत नीलामी सेवा प्रदाता के साथ पंजीकरण करना होगा और केवाईसी संबंधी आवश्यकताओं का पालन करना होगा।
3) बोली जमा करने से पहले आभूषणों और उनकी विशिष्टताओं का निरीक्षण करना और उनसे संतुष्ट होना बोलीदाताओं की जिम्मेदारी होगी। बोलीदाता शाखा प्रबंधक से परामर्श करके आभूषणों का निरीक्षण कर सकते हैं।
4) उच्चतम बोली बैंक के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा पुष्टि के अधीन होगी।
5) सफल बोलीदाता को निर्धारित समय के भीतर पूरी बिक्री राशि जमा करनी होगी, अन्यथा जमा की गई राशि जब्त कर ली जाएगी।
6) एक बार बेचे गए सोने के पाउच किसी भी परिस्थिति में विक्रेता को वापस नहीं किए जा सकते हैं और विजेता बोलीदाता/खरीददार द्वारा भौतिक रूप से सौंपे जाने के बाद विक्रेता किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।
7) बैंक के अधिकृत प्रतिनिधि को बिना किसी पूर्व सूचना या कारण बताए किसी भी बोली को स्वीकार/अस्वीकार करने या नीलामी को रद्द/स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है।
8) बिक्री बैंक द्वारा पुष्टि के अधीन है।

दिनांक: 15.04.2026
स्थान: मध्यप्रदेश

एसडी/-
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी